Daily Current Affairs

Date : 28 March, 2026

UTKARSH CLASSES | CIVIL SERVICES

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर (R4C)
2.	एशिया कप रैंकिंग तीरंदाजी
3.	जल संसाधन प्रबंधन के लिए राजस्थान को राष्ट्रीय पुरस्कार
4.	राजस्थान: पंचायत-निकाय चुनाव में दो से अधिक संतान वाले भी अब प्रत्याशी
5.	राष्ट्रीय पैरा तलवारबाजी
6.	ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा
7.	इलेक्ट्रो-टेक विनिर्माण केंद्र के रूप में भारत
8.	भारतीय कृषि क्षेत्रक का प्रदर्शन (2024-25)
9.	QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग
10.	लचीला मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढाँचा (एफआईटीएफ)
11.	पितृत्व अवकाश
12.	प्रवासी प्रजातियों के दोहन पर वैश्विक पहल
13.	सर्फेस वाटर एंड ओशन टोपोग्राफी (SWOT) सैटेलाइट

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

राजस्थान साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर (R4C)

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान में बढ़ते साइबर ठगी के मामलों से निपटने के लिए राजस्थान सरकार द्वारा केन्द्र सरकार की तर्ज पर R4C की स्थापना की जा रही है।

मुख्य बिन्दु:

- इस परियोजना पर ₹100 करोड़ खर्च होंगे एवं इसमें 275 कार्मिक (पुलिस अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ व बैंक के नोडल अधिकारी) तैनात होंगे।
- **कारवाई:** साइबर ठगी की सूचना → ट्रेस एंड ब्लॉक → ब्रीफ नोट + FIR दर्ज।
- I4C (इंडियन साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर): यह केन्द्र सरकार का साइबर क्राइम नियंत्रण और समन्वय मॉडल है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

साइबर ठगी की सूचना
↓
R4C/I4C सेंटर

पुलिस	तकनीकी विशेषज्ञ	बैंक नोडल अधिकारी
↓	↓	↓
ठग का पता लगाना	ट्रेसिंग	पैसे ब्लॉक

↓

ब्रीफ नोट + FIR
↓
थाना/जिला साइबर सेल
↓
पीड़ित को त्वरित राहत

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

एशिया कप रैंकिंग तीरंदाजी

चर्चा में क्यों?

- बैंकॉक में आयोजित एशिया कप रैंकिंग तीरंदाजी में राजस्थान पुलिस के डीएसपी रजत चौहान ने 1 गोल्ड + 2 कांस्य सहित शानदार प्रदर्शन किया।

मुख्य बिन्दु:

- रजत ने रैंकिंग राउंड में 712 अंक हासिल कर पहली रैंक प्राप्त की।
- **कम्पाउंड कैटेगरी –** चिकिता और रजत की मिक्सड टीम ने फाइनल में मलेशिया को 156-158 से हराकर स्वर्ण जीता।
- **व्यक्तिगत कांस्य –** थाईलैंड के रतनपोंगकिता पीरावत को (145-144) से हराया।
- **अन्य बिन्दु:** रजत चौहान और स्वाति दुधवाल राजस्थान के पहले दम्पत्ती है, जिनका चयन एशिया कप तीरंदाजी के लिए हुआ।
- टीम इंडिया के कोच योगेन्द्र सिंह भी राजस्थान से है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

जल संसाधन प्रबंधन के लिए राजस्थान को राष्ट्रीय पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

- वृहद् एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं की प्रथम गणना समय पर पूर्ण करने पर जल शक्ति मंत्रालय द्वारा डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित विश्व जल दिवस कॉन्क्लेव में राज्य को शील्ड एवं प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया।

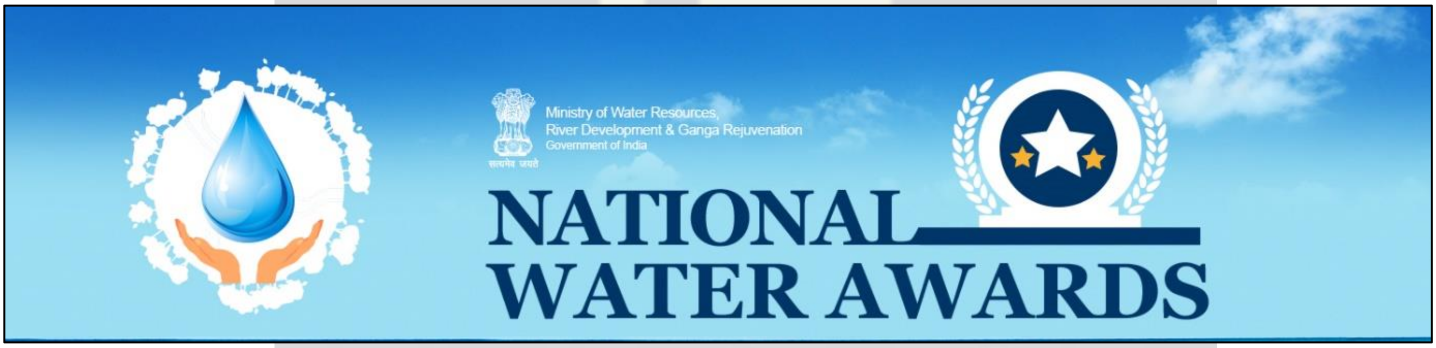

मुख्य बिन्दु:

- **राजस्थान में इस गणना के लिए-**
  - नोडल विभाग – जल संसाधन विभाग
  - राज्य नोडल अधिकारी – निदेशक (नहर) जयपुर
  - अन्य गणनाओं के लिए नोडल विभाग – राजस्व विभाग
- जल शक्ति मंत्रालय के निर्देशन में देशभर में वृहद् एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं की प्रथम गणना, लघु सिंचाई परियोजनाओं की सातवीं गणना, जल निकायों की द्वितीय गणना तथा स्प्रिंग्स को प्रथम गणना का कार्य प्रक्रियाधीन हैं।

Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान: पंचायत-निकाय चुनाव में दो से अधिक संतान वाले भी अब प्रत्याशी

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान सरकार द्वारा मार्च, 2026 में 'दो से अधिक संतान' वाले नियम को समाप्त करना प्रदेश की राजनीति और शासन व्यवस्था में एक युगांतकारी (Landmark) बदलाव है।

मुख्य बिन्दु:

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि (1994-2026)

- राजस्थान देश का पहला राज्य था, जिसने जनसंख्या नियंत्रण के लिए स्थानीय निकाय चुनावों में 'दो संतान' का नियम लागू किया था।
- **शुरुआत:** यह नियम 1994 में तत्कालीन भैरोंसिंह शेखावत सरकार के समय लागू हुआ था।
- इसके लिए राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 और राजस्थान नगरपालिका अधिनियम में संशोधन किया गया था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- नियम के अनुसार, 27 नवंबर, 1995 के बाद जिस व्यक्ति की तीसरी संतान हुई, वह पंचायत (सरपंच, पंच) और निकाय (पार्षद, मेयर) चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया था।
- **उद्देश्य:** उस समय राजस्थान की कुल प्रजनन दर (TFR) लगभग 3.6 थी, जिसे कम करने के लिए राजनेताओं को रोल मॉडल बनाने की कोशिश की गई थी।
- **न्यायिक स्थिति:** सुप्रीम कोर्ट ने 'जावेद बनाम हरियाणा राज्य (2003)' मामले में इस तरह के नियमों को संवैधानिक माना था, यह कहते हुए कि यह मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं है।
- **2026 का नया कानून:** मार्च, 2026 में राजस्थान विधानसभा ने राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक, 2026 और राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित कर इस पाबंदी को हटा दिया है।

मुख्य बदलाव और विशेषताएँ:

- अब दो से अधिक संतान वाले व्यक्ति भी सरपंच, वार्ड पंच, पार्षद, अध्यक्ष और महापौर का चुनाव लड़ सकेंगे।
- **कुष्ठ रोग (Leprosy) प्रावधान:** पुराने कानून में कुष्ठ रोगियों के चुनाव लड़ने पर रोक थी। नए संशोधन में इसे 'लाइलाज' की श्रेणी से हटाकर इस अयोग्यता को भी समाप्त कर दिया गया है।
- सरकार ने तर्क दिया कि 1994 में TFR 3.6 थी, जो अब घटकर 2.0 (NFHS डेटा के अनुसार) रह गई है, इसलिए अब इस दंडात्मक नियम की आवश्यकता नहीं है।
- इस बदलाव का उद्देश्य उन अनुभवी स्थानीय नेताओं को वापस मुख्यधारा में लाना है जो केवल बच्चों की संख्या के कारण पिछले 30 सालों से चुनाव नहीं लड़ पा रहे थे।

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अन्य महत्वपूर्ण बिंदु

- **सरकारी नौकरी में स्थिति:** यह छूट अभी केवल चुनाव लड़ने के लिए दी गई है। सरकारी नौकरियों में प्रवेश और पदोन्नति के लिए 'दो संतान' का नियम अभी भी राजस्थान में प्रभावी है।
- ये नए कानून भी लागू अजमेर में राजस्थान योग, आयुर्वेद व नेचुरोपैथी विवि। जयपुर में महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय। राजस्थान जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अधिनियम। राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान (संशोधन) अधिनियम। वित्त विधेयक 2026। विनियोग विधेयक 2026।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय पैरा तलवारबाजी

चर्चा में क्यों?

- सवाई मानसिंह स्टेडियम जयपुर स्थित इंडोर हॉल में आयोजित राष्ट्रीय पैरा तलवारबाजी में राजस्थान की कोमल गुर्जर ने दोहरे पदक हासिल किए।

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन:** 25-27 मार्च, 2026 दिव्यांग पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा।
- कोमल गुर्जर ने महिला कैटेगरी 'ए' की ईपी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।
- इसी स्पर्धा की टीम स्पर्धा में कोमल गुर्जर तथा हरियाणा की रेखा ने कांस्य पदक हासिल किया।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- ओडिशा की टीमे पुरुष व महिला वर्ग दोनों में चैंपियन रही।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा

चर्चा में क्यों?

- भारतीय नौसेना ने 'ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा' की शुरुआत की।

मुख्य बिन्दु:

- इसे होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर भारत आने वाले ऊर्जा शिपमेंट (जैसे- LPG, कच्चा तेल आदि) को सुरक्षा प्रदान करने, मार्गदर्शन करने और सुरक्षित पहुँच के लिए शुरू किया गया है।
- होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के आवागमन पर ईरान ने प्रतिबंध लगा दिया है, केवल कुछ देशों के जहाजों को अनुमति दी गई है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक घटनाक्रम

इलेक्ट्रो-टेक विनिर्माण केंद्र के रूप में भारत

चर्चा में क्यों?

- विश्व आर्थिक मंच के अनुसार भारत वैश्विक इलेक्ट्रो-टेक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है।

मुख्य बिन्दु:

- भारत "इलेक्ट्रोटेक" (इलेक्ट्रॉनिक्स, सौर ऊर्जा और एडवांस्ड बैटरी सिस्टम्स) के जरिए औद्योगिकीकरण कर रहा है, और इस तरह भारत अपनी आर्थिक संवृद्धि को कार्बन उत्सर्जन से अलग कर रहा है।
- यह पश्चिमी देशों और चीन ने जो रास्ता अपनाया था, उससे अलग है क्योंकि इन देशों में आर्थिक विकास से बड़ी मात्रा में कार्बन का उत्सर्जन हुआ था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

UTKARSH CLASSES
CIVIL SERVICES

इलेक्ट्रो-टेक विनिर्माण केंद्र के रूप में भारत की प्रमुख उपलब्धियाँ

- **इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग:** इसका आकार पिछले दशक में छह गुना बढ़कर 2024-25 में 130 अरब डॉलर तक पहुँच गया। इससे 25 लाख रोजगार के अवसर उत्पन्न हुए। उदाहरण, भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन विनिर्माता बन गया है।
- **सौर ऊर्जा क्षमता में वृद्धि:** सौर मॉड्यूल क्षमता 120 गीगावाट तक पहुँच गई है, और 2025 में भारत ने अपनी 9% बिजली सौर ऊर्जा से उत्पन्न की।
- **इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में अग्रणी:** कुल तिपहिया वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन की लगभग 60% हिस्सेदारी है। पैसेंजर वाहनों में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी लगभग 5% है।

भारत द्वारा शुरू की गई पहलें

- **उत्पादन-से संबद्ध प्रोत्साहन (PLI) योजनाएँ:** एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (ACC), ऑटो और ऑटो कंपोनेंट्स आदि के लिए शुरू की गई हैं।
- **उदाहरण के लिए:** इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग ने वित्त वर्ष 2020 से अब तक 4 अरब डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) आकर्षित किया है।
- **इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स विनिर्माण योजना (ECMS):** इसका उद्देश्य भारत में मजबूत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण प्रणाली की स्थापना है।
- **FAME इंडिया योजना और पीएम ई-ड्राइव योजना:** ये योजनाएँ इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन, इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन, इलेक्ट्रिक चारपहिया वाहन, ई-ट्रक, ई-बस और ई-एंबुलेंस को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारतीय कृषि क्षेत्रक का प्रदर्शन (2024-25)

चर्चा में क्यों?

- भारतीय कृषि क्षेत्रक ने अपनी मजबूती दिखाते हुए वर्ष 2024-25 में अब तक का सर्वाधिक उत्पादन दर्ज किया।

मुख्य बिन्दु:

- कृषि, भारत के सकल मूल्य वर्धित (GVA) में लगभग पाँचवें हिस्से का योगदान देती है और देश के लगभग 46% कार्यबल को रोजगार प्रदान करती है।

भारतीय कृषि क्षेत्रक का प्रदर्शन (2024-25 में)

- **रिकॉर्ड उत्पादन:** खाद्यान्न उत्पादन 357.73 मिलियन टन (MT) तक पहुँच गया। बागवानी उत्पादन 362.08 मिलियन टन रहा, जो उच्च मूल्य वाली फसलों की कृषि की ओर बढ़ते रुझान का संकेत है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विश्व में भारत का स्थान:

- **विश्व में प्रथम स्थान:** दलहन, मिलेट्स, सूखी प्याज (विश्व उत्पादन का लगभग 25%), नारियल और मसाला उत्पादन के मामले में।
- **विश्व में द्वितीय स्थान:** अनाज (चावल एवं गेहूं), फल एवं सब्जियों, नकदी फसलों (गन्ना, कपास और चाय) के मामले में।
- **कृषि निर्यात:** वित्त वर्ष 2020 के 34.5 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 51.1 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।
- प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के निर्यात की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2018 की लगभग 15% से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 20.4% हो गई।

भारत में कृषि क्षेत्रक को बढ़ावा देने हेतु शुरू की गई पहलें:

वित्तीय पहलें:

- **आय सहायता:** पीएम-किसान (PM-KISAN) योजना के तहत मार्च 2026 तक 4.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की गई।
- **जोखिम प्रबंधन:** प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 2024-25 में 4.19 करोड़ किसानों का फसल बीमा किया गया।
- **संस्थागत ऋण:** वर्तमान में 7.72 करोड़ सक्रिय किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) खाते मौजूद हैं।

लक्षित मिशन:

- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और पोषण मिशन: चावल, गेहूँ, दालों और पोषक अनाज के लिए।
- दलहन आत्मनिर्भरता मिशन (2025–31)।
- राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन।

अन्य पहलें:

- 2025 तक 25 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए गए और गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए 6.85 लाख बीज ग्राम (Seed Villages) की स्थापना।
- **डिजिटल एकीकरण:** राष्ट्रीय कृषि बाजार ई-नाम (e-NAM) से 1.8 करोड़ किसान जुड़ चुके हैं।
- फरवरी 2026 तक 10,000 किसान उत्पादक संगठन (FPOs) स्थापित किए गए, जिससे इन किसानों की सामूहिक सौदेबाजी को बढ़ावा मिला।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग

चर्चा में क्यों?

- QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग का विषय आधारित 16वाँ वार्षिक संस्करण हाल ही में जारी हुआ।

मुख्य बिन्दु:

- **जारीकर्ता:** लंदन स्थित 'क्यूएस क्वाक्यूरेली साइमंड्स' (QS)।
- **विषय:** यह विश्वविद्यालयों को 55 विषयों के आधार पर रैंक प्रदान करता है, जिन्हें पाँच व्यापक क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है:
  - o कला और मानविकी
  - o इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी
  - o लाइफ साइंसेज और मेडिसिन
  - o नेचुरल साइंसेज
  - o सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन

भारत से शीर्ष स्थान:

- **इंडियन स्कूल ऑफ माइंस (IIT-ISM) धनबाद:** 'मिनरल एंड माइनिंग इंजीनियरिंग' में विश्व स्तर पर 21वें स्थान पर।
- **IIM अहमदाबाद:** 'बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज' और 'मार्केटिंग', दोनों में शीर्ष स्थान पर।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

लचीला मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढाँचा (एफआईटीएफ)

चर्चा में क्यों?

- भारत सरकार ने 1 अप्रैल, 2026 से 31 मार्च, 2031 की अवधि के लिए मुद्रास्फीति के लक्ष्य को 4% पर बरकरार रखा है, जिसमें ±2% की सहनशीलता सीमा है।

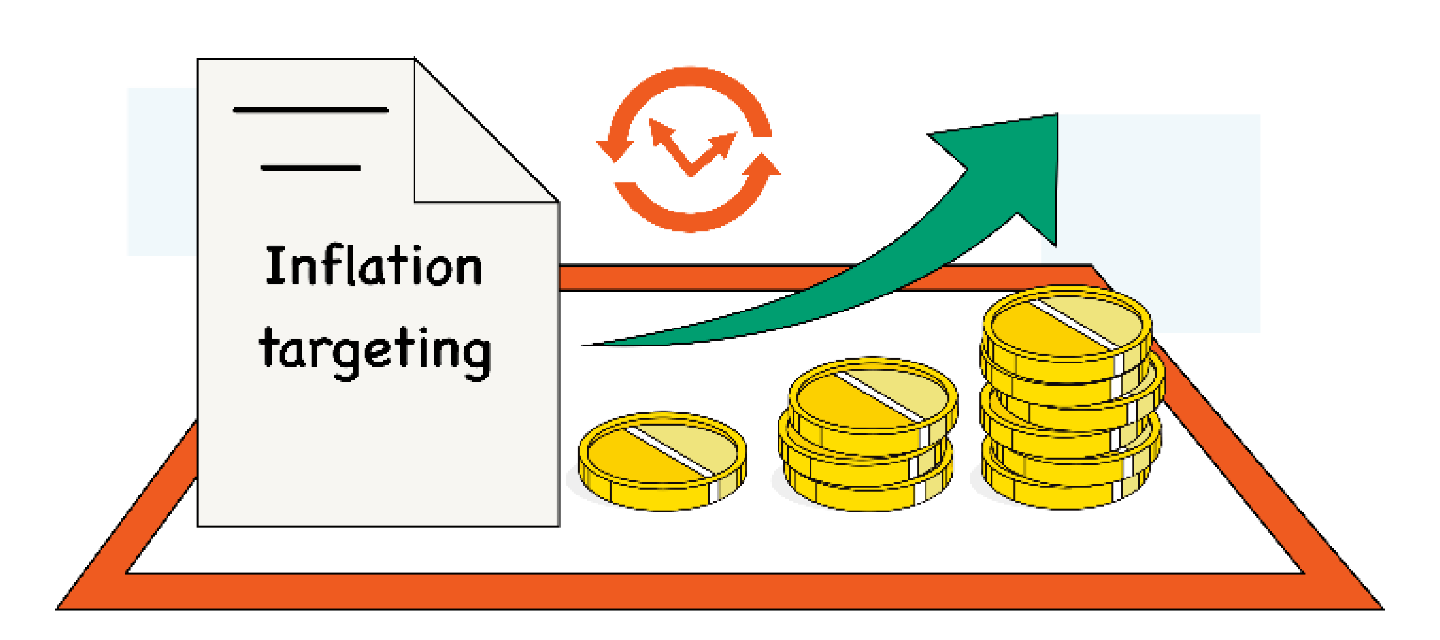

मुख्य बिन्दु:

भारत का मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढाँचा

- भारत ने डॉ. उर्जित पटेल की अध्यक्षता वाली एक विशेषज्ञ समिति की सिफारिश पर 2016 में एक लचीली मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण रूपरेखा को अपनाया ।
- RBI अधिनियम, 1934 की धारा 45 ZA के अनुसार, केंद्र सरकार RBI के परामर्श से प्रत्येक पाँच वर्ष में एक बार मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारित करती है।
- खुदरा मुद्रास्फीति को मापने वाला उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) चयनित बेंचमार्क है।
- मौद्रिक नीति समिति (MPC) को सरकार द्वारा निर्धारित मुद्रास्फीति को बनाए रखने का दायित्व सौंपा गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मौद्रिक नीति समिति (MPC) क्या है ?

- MPC एक वैधानिक निकाय है जिसकी स्थापना RBI अधिनियम, 1934 (2016 में संशोधित) के तहत की गई है ।
- मूल्य स्थिरता बनाए रखने के साथ-साथ विकास को ध्यान में रखते हुए, यह मानक ब्याज दर (रेपो दर) निर्धारित करने के लिए जिम्मेदार है।

इसमें 6 सदस्य शामिल हैं:

- आरबीआई से 3 सदस्य (गवर्नर सहित, जो अध्यक्ष हैं)
- सरकार द्वारा नियुक्त 3 बाहरी सदस्य।
- निर्णय बहुमत से लिए जाते हैं, और प्रत्येक सदस्य को एक वोट देने का अधिकार है। टाई होने की स्थिति में, आरबीआई गवर्नर के पास निर्णायक वोट होता है।

UTKARSH CIVIL SERVICES

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

समाजशास्त्र

पितृत्व अवकाश

चर्चा में क्यों?

- सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से सभी पिताओं, चाहे वे दत्तक पिता हों या जैविक पिता, के लिए पितृत्व अवकाश को मान्यता देने वाले एक औपचारिक कानून की आवश्यकता की जाँच करने का आह्वान किया।

मुख्य बिन्दु:

- न्यायालय ने कहा कि छुट्टी की अवधि माता-पिता और बच्चे दोनों की जरूरतों के अनुरूप निर्धारित की जानी चाहिए।
- पितृत्व अवकाश एक पुरुष कर्मचारी (पिता) को अपने नवजात या गोद लिए हुए बच्चे की देखभाल करने और प्रसव के बाद माँ का समर्थन करने के लिए दिया जाने वाला अवकाश है।
- भारत में सार्वभौमिक पितृत्व अवकाश कानून नहीं है ।
- हालांकि, केंद्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम, 1972 के तहत पुरुष सरकारी कर्मचारी 15 दिनों की पितृत्व अवकाश के हकदार हैं, जिसे वे अपने बच्चे के जन्म या गोद लेने के छह महीने के भीतर ले सकते हैं ।

सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार से आग्रह किया कि:

- पितृत्व अवकाश के लिए एक अलग कानून बनाएं।
- इसे सामाजिक सुरक्षा लाभ के रूप में मान्यता दें।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

प्रवासी प्रजातियों के दोहन पर वैश्विक पहल

चर्चा में क्यों?

- प्रवासी प्रजातियों के दोहन पर वैश्विक पहल मार्च 2026 में ब्राजील के कैम्पो ग्रांडे में आयोजित "वन्यजीवों की प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर अभिसमय (CMS)" के पक्षकारों के 15वें सम्मेलन (COP15) में शुरू की गई।

मुख्य बिन्दु:

प्रवासी प्रजातियों के दोहन पर वैश्विक पहल (GTI)

- **परिचय:** यह सरकारों, संरक्षण संगठनों, स्थानीय समुदायों आदि के बीच एक सहयोगात्मक वैश्विक पहल है। इसका उद्देश्य प्रवासी प्रजातियों के अवैध और असंधारणीय दोहन के कारणों को दूर करना है।
- "विश्व की प्रवासी प्रजातियों की स्थिति पर रिपोर्ट 2024" के अनुसार, अवैध और असंधारणीय दोहन की वजह से CMS के तहत सूचीबद्ध 1,200 प्रजातियों में से 70% के अस्तित्व को खतरा है।
- रिपोर्ट के अनुसार, शिकार, भोजन के लिए मात्स्यिकी, बिक्री, खेल, औषधि बनाने में इस्तेमाल जैसे घरेलू कारक प्रवासी प्रजातियों के दोहन के प्रमुख कारण हैं।
- **उद्देश्य:** देशों को जैव विविधता-संरक्षण की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में सहायता प्रदान करना। जैसे कि कुनमिंग–मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क के तहत प्रजातियों की पुनर्बहाली करना और विलुप्ति को रोकना।
- **साझेदार संगठन:** जैव विविधता अभिसमय (CBD), संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP), विश्व संरक्षण निगरानी केंद्र (UNEP-WCMC), प्रकृति के लिए विश्व वन्यजीव कोष (WWF) और TRAFFIC, आदि।

वन्यजीवों की प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर अभिसमय (CMS)

- **अपनाया गया:** 1979 में बॉन (जर्मनी) में। इसे बॉन कन्वेंशन भी कहा जाता है।
- **परिचय:** यह संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) के अंतर्गत एक अंतरराष्ट्रीय संधि है, जो वैश्विक स्तर पर वन्यजीवों की प्रवासी प्रजातियों और उनके पर्यावासों के संरक्षण पर केंद्रित है।
- **प्रवासी प्रजातियों को CMS के दो परिशिष्टों के तहत सूचीबद्ध किया गया है:**
  - **परिशिष्ट I:** एंडेंजर्ड प्रजातियाँ, जिन्हें सख्त संरक्षण की आवश्यकता है।
  - **परिशिष्ट II:** ऐसी प्रजातियाँ जिनके संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है।
- **पक्षकार:** 133 पक्षकार (132 देश + यूरोपीय संघ)। भारत भी पक्षकार देश है।
- **प्रकाशित रिपोर्ट:** विश्व की प्रवासी प्रजातियों की स्थिति पर रिपोर्ट।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

सर्फेस वाटर एंड ओशन टोपोग्राफी (SWOT) सैटेलाइट

चर्चा में क्यों?

- नासा ने SWOT सैटेलाइट से एकत्र किए गए डेटा का उपयोग करके महासागरीय नितल का एक नया मानचित्र जारी किया है।

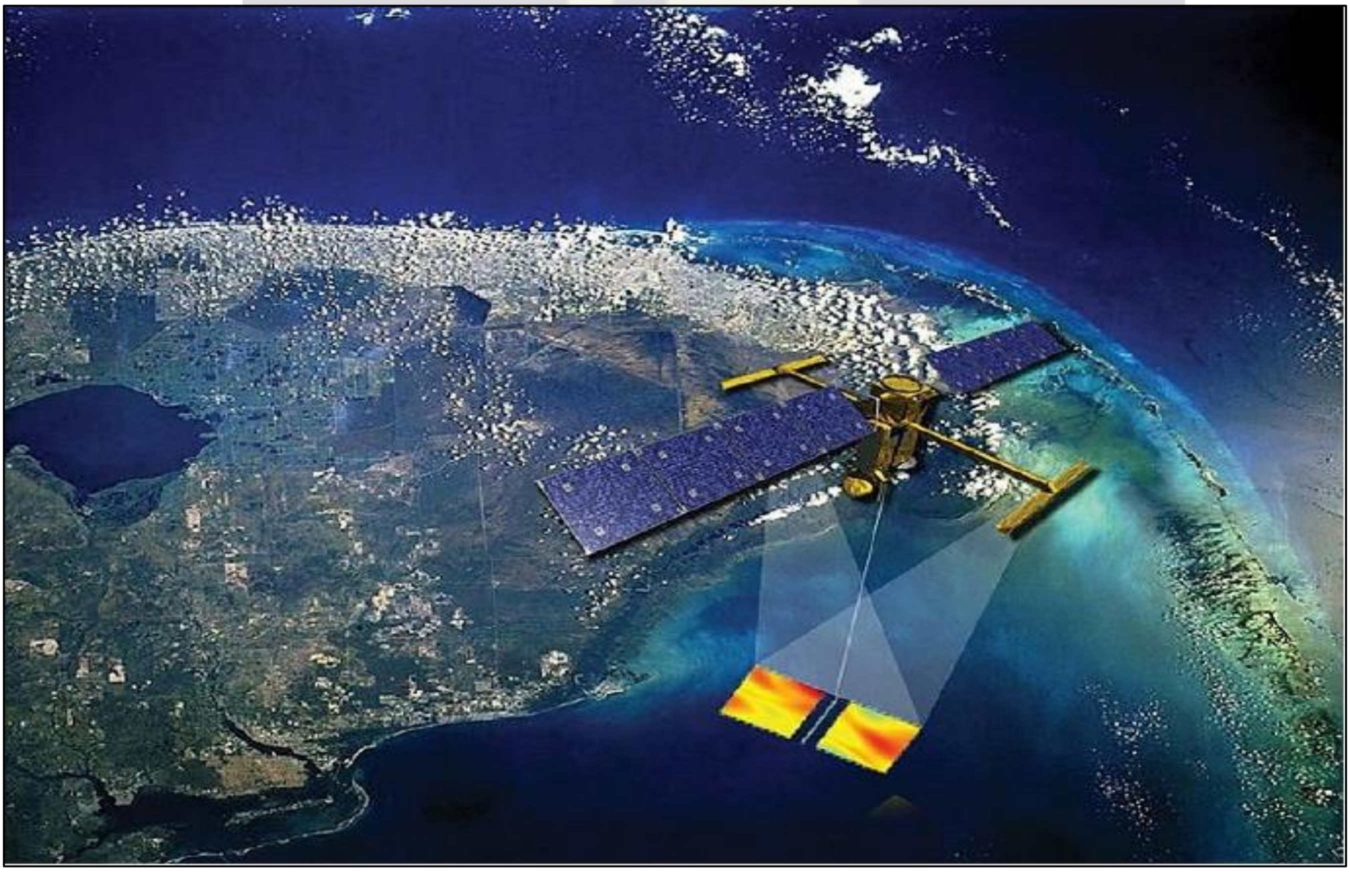

मुख्य बिन्दु:

SWOT सैटेलाइट

- **विकासकर्ता:** नासा और फ्रांस का 'सेंटर नेशनल डी'एट्यूड्स स्पैटियल्स' (CNES)।

उद्देश्य:

- पृथ्वी के सतही जल का पहला वैश्विक सर्वेक्षण करना।
- महासागर की सतह की स्थलाकृति के सूक्ष्म विवरणों का निरीक्षण करना।
- यह मापना कि समय के साथ जल निकायों में क्या परिवर्तन आता है।

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR